UNICON™
investment solutions

PUBLICATION	BUSINESS BHASKAR
EDITION	NEW DELHI
DATE	2ND SEPTEMBER 2010
PAGE	02

यूनिकॉन इन्वेस्टमेंट के गजेंद्र नागपाल के मुताबिक बाजार में मंदी नहीं है। बाजार में जब-जब करेक्शन आएगा एफआईआई का रुझान कायम रहेगा।

शॉर्ट टर्म में आ सकती है गिरावट

सत्र के शुरू में तो बाजार सीमित दायरे में ही कारोबार कर रहे थे, लेकिन दोपहर बाद जमकर खरीदारी हुई। घरेलू अर्थव्यवस्था की तेजी, आयात में बढ़ोतरी और ऑटो कंपनियों के अच्छे बिक्री आंकड़े साथ में विदेशी बाजारों से भी अच्छी खबरें। इन सभी ने बाजार को तेजी दी।

यूनिकॉन इन्वेस्टमेंट के गजेंद्र नागपाल के मुताबिक बाजार में मंदी नहीं है। उनकी मानें तो बाजार में जब-जब करेक्शन आएगा एफआईआई का रुझान भारतीय बाजार पर कायम रहेगा। गजेंद्र को टाटा मोटर्स और मारुति पसंद हैं साथ ही वे आरआईएल में 910-920 के स्तर पर पॉजिशन बनाने की सलाह दे रहे हैं। रिस्क लिमिटेड के सीईओ शेनॉन बर्शेट के मुताबिक हाउसिंग सेक्टर की कम बिक्री और बेरोजगारी अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी हैं। उनका कहना है कि अमेरिकी बाजारों का यही हाल रहा तो इसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। मंगल केशव सिक्योरिटीज के राजेश सत्तपुते का कहना है कि निवेशकों निफ्टी में 5420 के स्तर पर मुनाफावसूली करनी चाहिए। वहीं, प्रभुदास लीलाधर के दिलीप भट्ट छोटी अवधि के नजरिए से बाजार में गिरावट देख रहे हैं। लेकिन दिलीप के मुताबिक एफआईआई का रुझान भारतीय बाजार पर कायम है। वे मानते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता से घरेलू बाजारों में जोखिम बढ़ गया है। ऐसे में वे फिलहाल निवेशकों को मुनाफावसूली की सलाह दे रहे हैं। साथ ही वे यह भी कहते हैं कि निफ्टी का 5500 का स्तर पार करना मुश्किल है। पिनाकल वेल्थ के आशीष कुखरेजा बाजार में चुनिंदा शेयरों में तेजी देख रहे हैं। उनके मुताबिक बाजार में उतार-चढ़ाव जारी है। उनका मानना है कि निफ्टी 5250 के नीचे नहीं जाएगा, जबकि अपसाइड में 5500 का स्तर पार करना मुश्किल है।

CNBC आवाज़